Agriculture Education Day Celebrated at College of Horticulture, Mandsaur(M.P.)

As designated by Indian Council of Agriculture Research December 3, is celebrated every year as Agriculture Education Day. The day commemorates the birth day of the first Agriculture Minister of Indian Union and the first President of India *Bharat Ratna* Dr. Rajendra Prasad.

The day is celebrated with full zest and zeal at the College of Horticulture, Mandsaur. Dean of the College of Horticulture Mandsaur Dr. Mridula Billore has designed the celebration of the day with an intention to ensure the participation of every member of the College family. Various activities while making certain the participation of both the faculty and the students have been conducted. **Essay Writing Competition** was a big hit amongst the students as the topic for the same was very catchy one that was ''the College of Horticulture of my Dream.'' The competition saw an enthusiastic participation in form of high quality submissions teemed with aspirations by the students. **Slogan Writing Completion** on the topic Agriculture Education was open for the faculty and the students as well and each group has displayed its brilliance in the competition. In **Painting Competition** beautiful and vivid paintings by the students under the title *Aatma Nirbhar Bharat* have been submitted**. (Copies enclosed)**

In order to attract the brilliant minds in the field of agriculture, the students of prominent schools of Mandsaur have been approached through online mode. Dr. Roopesh Chaturvedi and Dr. Kailash Meena conducted online seminar for the school students under the title "Education in Agriculture: The Golden Harvest."The school students were informed with the prospects of Agriculture Education and why the brightest of the minds are needed to face the imminent tougher challenges in the field in future. The response of the students was very encouraging and the presentation was lauded by one and all.

Dr. Gyanendra Tiwari, Associate Professor from JNKVV, Jabalpur addressed the students of the College while elaborating the prospects of Agriculture education. Dr. Tiwari has instilled the feeling of elation among the students of Horticulture and made them ready to serve the society for the well being of ever stake holder. The feedback of the students was very buoyant as they have demanded the organization of such lectures on regular interval.

The celebration of Agriculture Education Day at the College of Horticulture Mandsaur has found wide coverage in print media of the city. **(Imprints enclosed)**

The winning participants in each category shall be awarded with the certificate and prize during the celebration of Republic Day on Jan 26, 2021.

Entries of Painting Competition by the Students

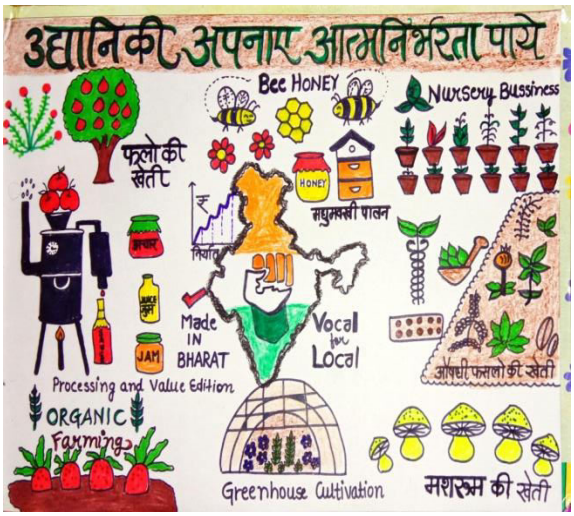

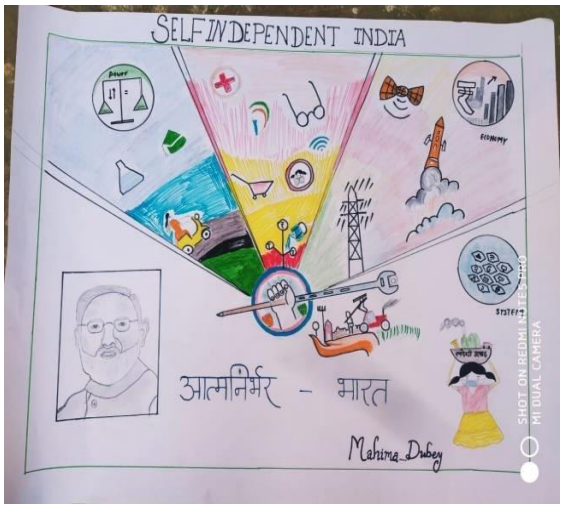

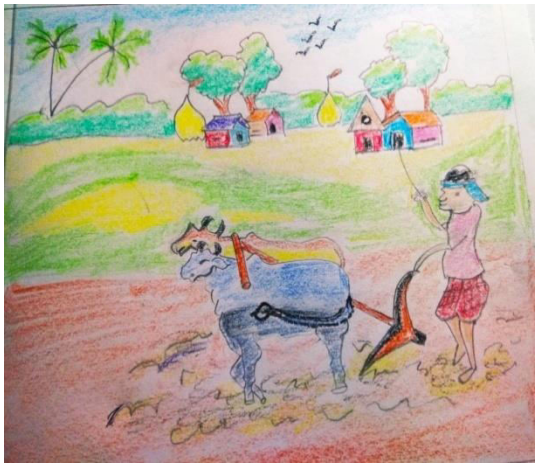

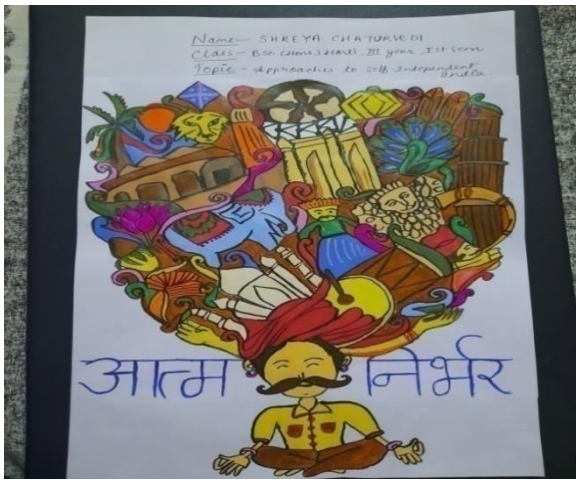

Print Media Coverage

उद्यानिकी महाविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन सम्पन्न

मन्दसौर। उद्यानिकी महाविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष 3 दिसम्बर को कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन किया जाता है। यह दिवस भारत वर्ष के प्रथम कृषि मंत्री एवं प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ राजेन्द्र प्रसाद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाये जाने का उद्देश्य युवाओं में कृषि शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना एवं बेहतरीन विद्यार्थियों को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करना है।

Jan Sarangi

उद्यानिकी महाविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन सम्पन्न

मन्दसौर। उद्यानिकी महाविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष 3 दिसम्बर को कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन किया जाता है। यह दिवस भारत वर्ष के प्रथम कृषि मंत्री एवं प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाये जाने का उद्देश्य युवाओं में कृषि शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना एवं बेहतरीन विद्यार्थियों को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करना है।

उद्यानिकी महाविद्यालय में निबंध लेखन, स्लोगन राइटिंग एवं पेन्टिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। कृषि शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने हेतु स्कूल के विद्यार्थियों को ऑनलाईन माध्यम से डॉ. रूपेश चतुर्वेदी एवं डॉ. कैलाश मीना ने संबोधित किया। कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर से डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी ने छात्रों को ऑनलाईन उद्बोधन दिया। डॉ. मृदुला बिल्लोरे अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय के मार्गदर्शन में उक्त कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। मीडिया प्रभारी डॉ. अंकित पाण्डे ने उक्त जानकारी दी।

Malwa Mewad ka Savera

उद्यानिकी महाविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन सम्पन्न

मन्दसौर । उद्यानिकी महाविद्यालय में कृषि शिक्षा दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष 3 दिसम्बर को कृषि शिक्षा दिवस का आयोजन किया जाता है। यह दिवस भारत वर्ष के प्रथम कृषि मंत्री एवं प्रथम राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाये जाने का उद्देश्य युवाओं में कृषि शिक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना एवं बेहतरीन विद्यार्थियों को इस क्षेत्र की ओर आकर्षित करना है। उद्यानिकी महाविद्यालय में निबंध लेखन, स्लोगन राइटिंग एवं पेन्टिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। कृषि शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने हेतु स्कूल के विद्यार्थियों को ऑनलाईन माध्यम से डॉ. रूपेश चतुर्वेदी एवं डॉ. कैलाश मीना ने संबोधित किया। कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर से डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी ने छात्रों को ऑनलाईन उद्बोधन दिया। डॉ. मृदुला बिल्लोरे अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय के मार्गदर्शन में उक्त कार्य' मों का आयोजन हुआ। मीडिया प्रभारी डॉ. अंकित पाण्डे ने उक्त जानकारी दी।

Paatal Lok

Flayer of Online Lectures

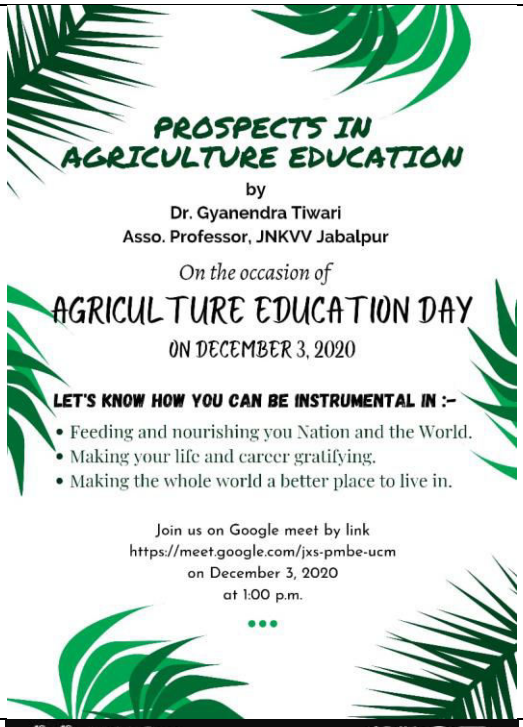

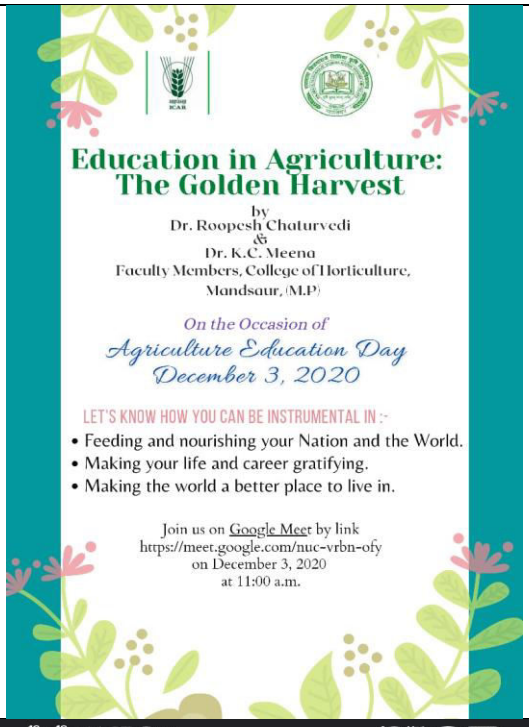

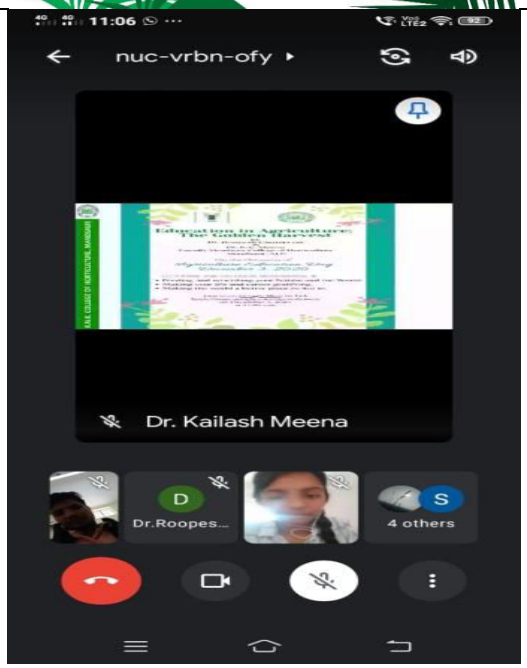

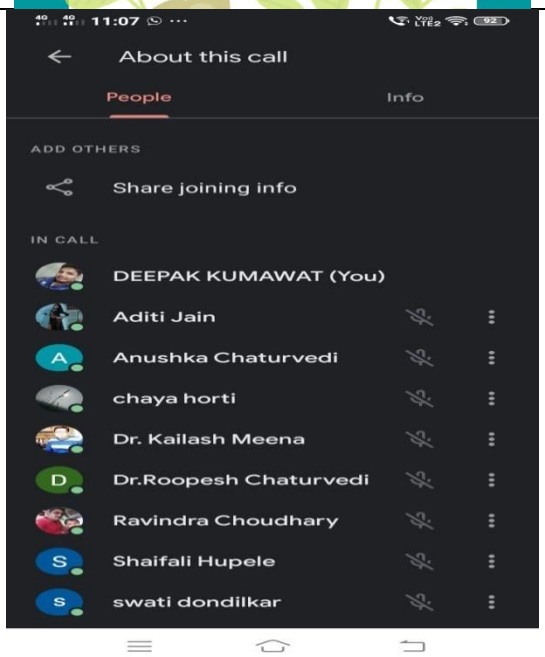

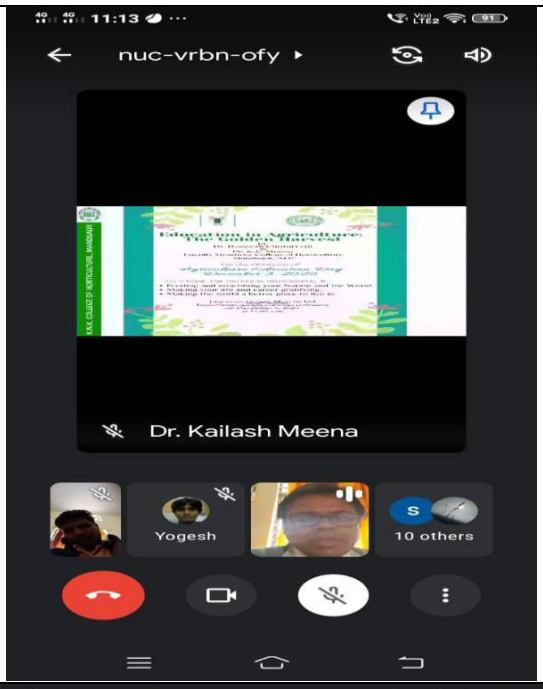
11:13
nuc-vrbn-ofy
Dr. Kailash Meena
Yogesh
10 others

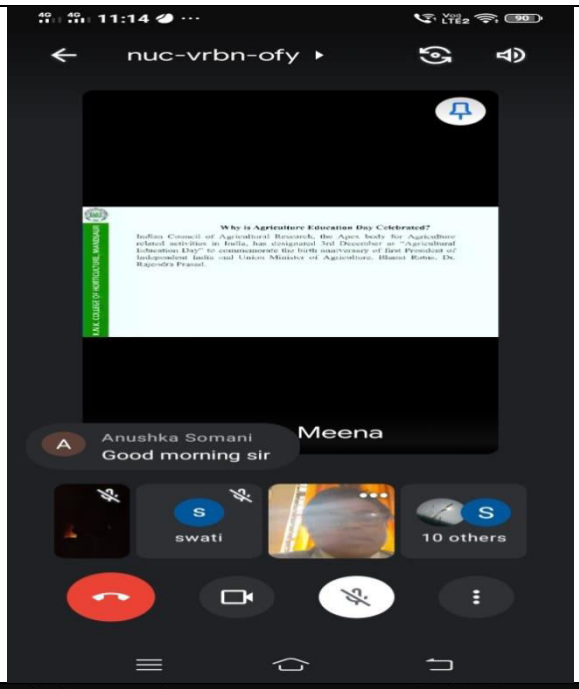
11:14
nuc-vrbn-ofy
Why is Agriculture Education Day Celebrated?
Anushka Somani
Good morning sir
Meena
swati
10 others

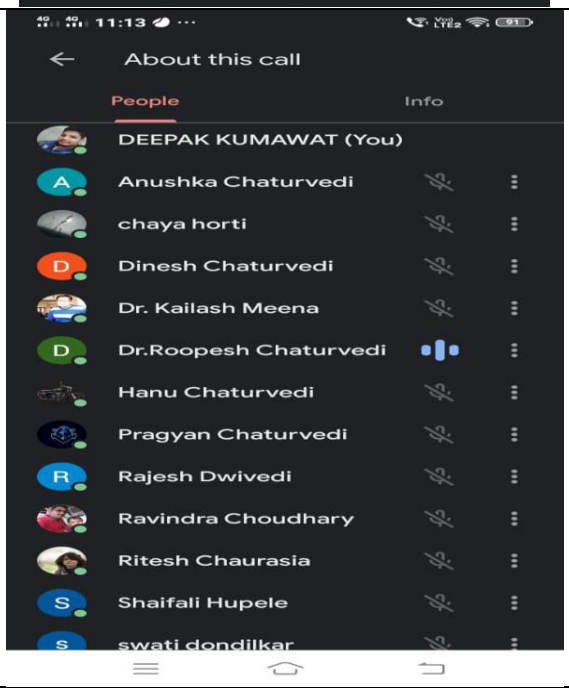
11:13
About this call
People
Info
DEEPAK KUMAWAT (You)
Anushka Chaturvedi
chaya horti
Dinesh Chaturvedi
Dr. Kailash Meena
Dr.Roopesh Chaturvedi
Hanu Chaturvedi
Pragyan Chaturvedi
Rajesh Dwivedi
Ravindra Choudhary
Ritesh Chaurasia
Shaifali Hupele
swati dondilkar

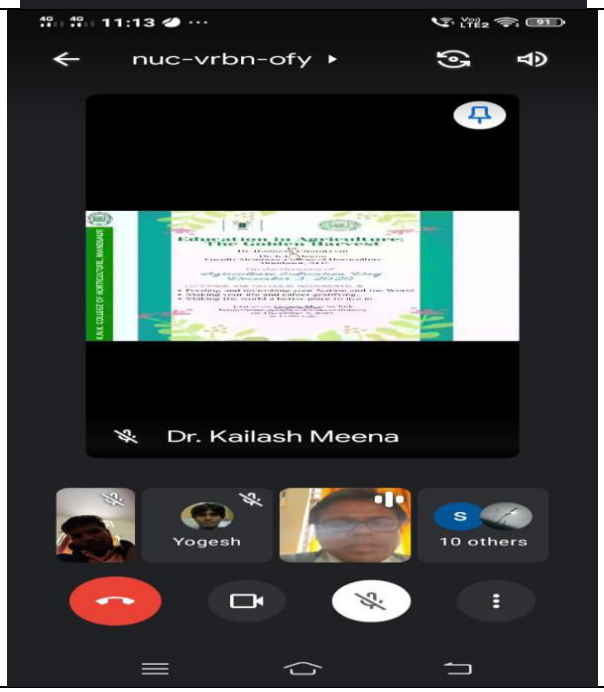
11:13
nuc-vrbn-ofy
Dr. Kailash Meena
Yogesh
10 others

Entries of Slogan Competition

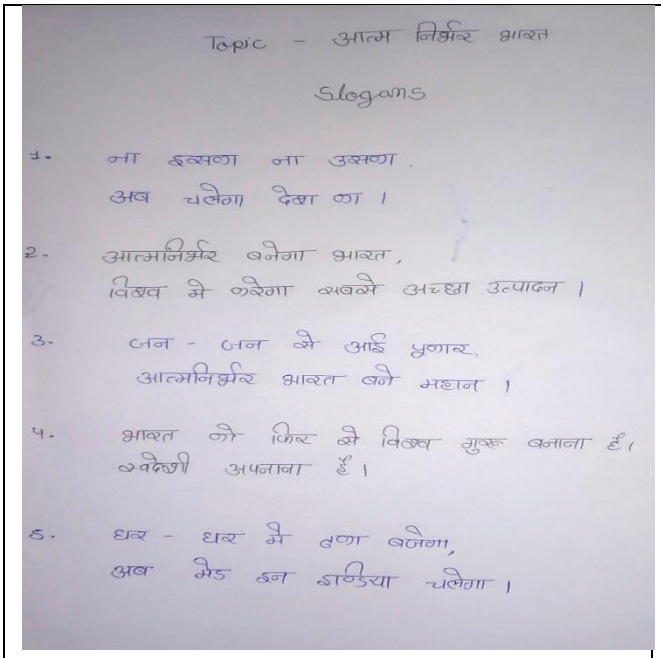

Topic - आत्म निर्भर भारत

Slogans

1. ना इसका ना उसका,
अब चलेगा देश का ।

2. आत्मनिर्भर बनेगा भारत,
विश्व मे करेगा सबसे अच्छा उत्पादन ।

3. जन - जन से आई पुकार,
आत्मनिर्भर भारत बने महान ।

4. भारत को फिर से विश्व गुरू बनाना है,
स्वदेशी अपनाना है ।

5. घर - घर मे दफा बजेगा,
अब मेड इन इण्डिया चलेगा ।

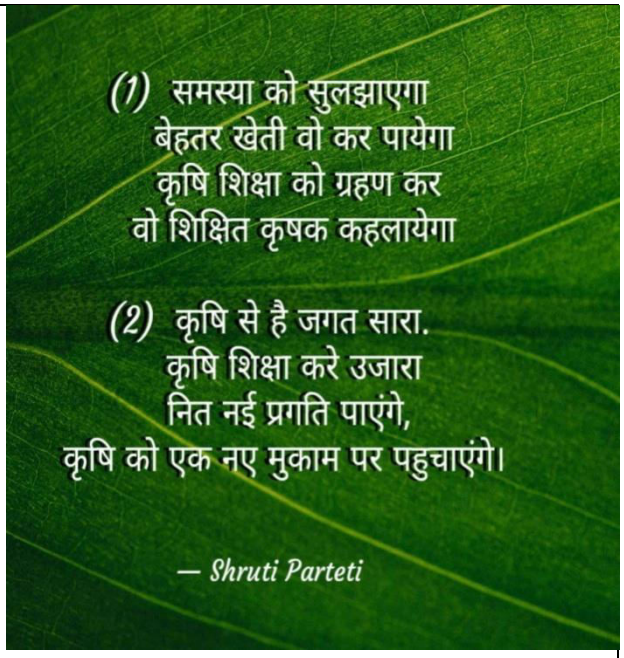

(1) समस्या को सुलझाएगा
बेहतर खेती वो कर पायेगा
कृषि शिक्षा को ग्रहण कर
वो शिक्षित कृषक कहलायेगा

(2) कृषि से है जगत सारा.
कृषि शिक्षा करे उजारा
नित नई प्रगति पाएंगे,
कृषि को एक नए मुकाम पर पहुचाएंगे।

— *Shruti Parteti*